श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 19, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण | प्रयागराज | मंगलवार, 25 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

रायगढ़ जिले में बहुमंजिला इमारत गिरी, एक की मौत, 51 फंसे

मलबे में तैनात बहुमंजिला इमारत

मुंबई, जेएनएन/एजेंसी। महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 160 किलोमीटर दूर महाड कस्बे में सोमवार को एक पांच मंजिला इमारत पूरी तरह ढह गई। इमारत के मलबे में अभी भी 51 लोगों के फंसे होने की आशंका है। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक, अब तक 25 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। एक व्यक्ति के मरने की सूचना है। महाराष्ट्र की मंत्री अदिति एस तटकरे ने पहले मलबे में 200 लोगों के फंसे होने की प्राथमिक जानकारी दी थी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। रायगढ़ जिला स्थित महाड कस्बे के काजलपुरा इलाके की यह इमारत शाम करीब छह बजे ढह गई। इमारत ढहने के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दबे लोगों को बचाने का काम शुरू कर दिया। दमकल विभाग की पांच गाड़ियां एवं कई जेसीबी घटनास्थल पर बचाव कार्य में लगे हैं। राज्य सरकार की मंत्री अदिति तटकरे के अनुसार, इस इमारत में 48 परिवारों के करीब 225 लोग रहते थे। पुलिस ने बताया कि पांच मंजिल वाली रिहायशी इमारत दस साल पुरानी थी। इसके बावजूद इसके ढह जाने पर सवाल भी उठने लगे हैं। बचाव कार्य के लिए मुंबई एवं पुणे से भी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें भेजी जा चुकी हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार चल रही बारिश हालांकि बंद है लेकिन यदि बारिश शुरू हुई तो राहत और बचाव कार्य में मुश्किल हो सकती है। रात में राहत और बचाव कार्य में मुश्किलें आने की भी सूचना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीआरएफ को मलबे में फंसे लोगों के बचाव में सभी सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। शाह ने ट्वीट किया कि रायगढ़, महाराष्ट्र में एक इमारत का ढहना बहुत दुखद है। एनडीआरएफ महानिदेशक से सभी हर संभव मदद करने को कहा गया है। टीमें वहां पहुंच रही हैं और वे जल्द से जल्द बचाव कार्यों में मदद करेंगी। हम सभी की सुरक्षा की कामना करते हैं। हादसे में घायल लोगों को महाण तहसील के काजलपुरा इलाके के विभिन्न स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि इमारत में 45 फ्लैट थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे से एक घंटे पहले यह हिल रही थी। इसके बाद कुछ लोगों को बाहर निकाल लिया गया था। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अधिकारियों से बात करके हालात की जानकारी ली है और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। हादसे के कुछ वीडियो भी वायरल हुए हैं।

भारत–चीन सीमा विवाद पर CDS रावत का बड़ा बयान– बातचीत फेल हुई तो सैन्य कार्रवाई पर विचार

नई दिल्ली, एएनआइ। चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) को लेकर चीन के साथ बातचीत असफल रहती है तो सैन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच अप्रैल-मई से ही फिंगर एरिया, गलवन घाटी, हॉट स्प्रिंग्स और कुंगरंग नाला सहित कई क्षेत्रों को लेकर गतिरोध चल रहा है।

सीडीएस रावत ने कहा, 'लद्दाख में चीनी सेना द्वारा किए गए अतिक्रमण से निपटने के लिए सैन्य विकल्प खुले

जनरल बिपिन रावत ने कहा कि बातचीत असफल रहने पर सैन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

हुए हैं, लेकिन इसका उपयोग केवल तभी किया जाएगा, जब दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनयिक स्तर पर चल रही बातचीत फेल हो जाती है।' हालांकि, उन्होंने उन सैन्य विकल्पों पर ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया।

विवाद सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के बीच पिछले तीन महीनों में कई बाद कूटनीतिक और सैन्य वार्ताएं हो चुकी हैं, जिसमें पांच लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की वार्ता भी शामिल हैं, लेकिन अभी तक विवाद सुलझाने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है।

एलएसी पर बदलाव मंजूर नहीं

भारतीय सेना चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को यह बात स्पष्ट रूप से बता चुकी है कि एलएसी पर किसी भी तरह का बदलाव उसे मंजूर नहीं है। चीन को फिंगर एरिया खाली कर अप्रैल वाली अपनी मूल स्थिति पर लौटना होगा, लेकिन चीन फिंगर इलाका छोड़ने को तैयार नहीं है। चीन की किसी भी चालबाजियों से निपटने के लिए भारत ने भी अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है। सैन्य कमांडरों ने एलएसी पर मौजूद कमांडिंग अफसरों से किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के लिए कह दिया है।

हिंसक झड़प के बाद से हालात तनावपूर्ण

15 जून को दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद से ही हालात तनावपूर्ण बने हुए है। इस झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन की ओर से भी 40 से अधिक सैनिक हताहत हुए थे। हालांकि, चीन ने कभी भी इस बात को स्वीकार नहीं किया। गलवन घाटी के कुछ हिस्सों से चीनी सैनिकों ने कुछ ढांचा और सामान पीछे किया था, लेकिन उसके बाद मामला जस का तस है।

सुप्रीम कोर्ट प्रशांत भूषण मामले में आज सुना सकता है फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। दो विवादित ट्वीट्स पर न्यायालय की अवमानना के दोषी ठहराए गए वकील प्रशांत भूषण ने माफी मांगने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल पूरक बयान में कहा कि वह अदालत का बहुत सम्मान करते हैं और उन्होंने जो भी कहा वह अच्छी मंशा से सकारात्मक आलोचना थी। भूषण ने कहा कि अगर वह उसके लिए माफी मांगते हैं तो ऐसा करना उनकी नजर में उनकी अंतरात्मा और इस संस्था जिसका वह बहुत सम्मान करते हैं, की अवमानना होगी।

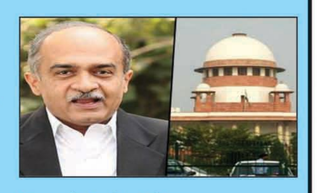

सुप्रीम कोर्ट प्रशांत भूषण को मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे व पूर्व चार मुख्य न्यायाधीशों के बारे में दो ट्वीट्स करने के लिए न्यायालय की अवमानना का दोषी ठहरा चुका है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई 20 अगस्त को भूषण को सजा दिये जाने के मुद्दे पर बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था इसके साथ ही कोर्ट ने भूषण को ट्वीट्स पर बिना शर्त माफी मांगने के लिए 24 अगस्त तक का समय दिया था। कोर्ट मामले पर 25 अगस्त यानी मंगलवार को फिर विचार करेगा। अवमानना में छह महीने तक की जेल का प्रावधान है। वैसे कोर्ट जेल के बजाए जुमार्ना या कोई और सांकेतिक सजा जैसे कुछ समय के लिए कोर्ट में पेश होने पर रोक आदि भी दे सकता है।

भूषण की ओर से सोमवार को कोर्ट में दिये लिखित वक्तव्य में कहा गया है कि उन्हें गत 20 अगस्त का आदेश देख कर बहुत दुख हुआ क्योंकि मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि वह उन्हें उस दिन कोर्ट में दिये गए बयान पर विचार करने के लिए 2-3 दिन का समय दे रहे है, लेकिन बाद में आदेश देखा तो उसमें कोर्ट ने उन्हें बिना शर्त माफी मांगने के लिए समय दिया है।

भूषण ने कहा कि कोर्ट आफीसर होने के चलते यह उनका कर्तव्य है कि जब कभी उन्हें लगे कि यह कोर्ट अपनी शानदार परंपरा से भटक रहा है तो वह बोलें। इसीलिए उन्होंने कोर्ट या किसी मुख्य न्यायाधीश की अवमानना के इरादे से नहीं बल्कि सद्भावना से सकारात्मक आलोचना की थी। ऐसे में माफी मांगना ठीक नहीं होगा। भूषण ने कहा कि जिस बात को वह सही मानते हैं उससे अगर वह कोर्ट मे मुकर जाएंगे या निष्ठाहीन माफी मांगेगे तो उनकी निगाह में ऐसा करना उनकी अंतरात्मा और इस संस्था (सुप्रीम कोर्ट) जिसका वह बहुत सम्मान करते हैं, की अवमानना होगी। भूषण ने कहा है कि मौलिक अधिकारों के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट लोगों की अंतिम उम्मीद है। इसे लोकतांत्रिक दुनिया में सबसे शक्तिशाली अदालत कहा जाता है। दुनिया की अदालतों के लिए ये एक मिसाल है। आज मुश्किल के समय में भारत के लोगों को कानून का शासन और संविधान कायम करने को लेकर कोर्ट से उम्मीद है न कि कार्यपालिका के स्वच्छंद शासन से।

कई राज्यों में अगले तीन दिन में भारी बारिश होने की संभावना, जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में लोग पहले ही कोरोना वायरस के विस्तार के कारण कामकाज काफी मंदा हैं। अब देश में कई स्थानों पर हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण भी लोगों को हताहत होना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अगले तीन दिन यानी 25 से 27 अगस्त तक दिल्ली एनसीआर समेत हरियाणा, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड और उड़ीसा में भारी बारिश होने की संभावना है। देश के उत्तरी भाग में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में 26 और 27 अगस्त को अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू

कश्मीर, बाल्टिस्तान, गिलगित, मुजफ्फराबाद, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में ओले गिरने के साथ काफी व्यापक वर्षा होने की संभावना है। 25 अगस्त -27 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी बारिश का खतरा है। तमिलनाडु के आंतरिक भागों में 24 से 26 अगस्त के बीच हल्की वर्षा देखने को मिल सकती है। केरल में इस पूरे सप्ताह के दौरान हल्की बारिश से अधिक की अपेक्षा फिलहाल नहीं है। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 25 और 26 अगस्त को कुछ स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। गंगा के इलाके में 25-27 अगस्त के दौरान पश्चिम बंगाल और झारखंड में बहुत भारी वर्षा हो सकती है। बंगाल की खाड़ी से निचले स्तर के ईस्टर और अरब सागर से दक्षिण-वेस्टरलीज के कारण वर्षा की गतिविधियाँ बहुत अधिक हैं। कहा गया कि दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मिदनापुर, झारग्राम, पुरुलिया और बांकुरा जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है, जो मंगलवार से और तेज हो जाएगी। असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नगालैंड और मेघालय में भी मध्यम से भारी वर्षा सप्ताह के शुरूआती दिनों में देखने को मिल सकती है। बंगाल की खाड़ी पर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित हो गया है। यह सिस्टम पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार से होकर गुजरेगा, जिससे 28 अगस्त तक इन सभी क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा देखने को मिलेगी।

दिल्ली का यह रहेगा हाल

दिल्ली में 26 अगस्त से रुक-रुक कर हल्की से मध्यम वर्षा सप्ताह के आखिर तक बनी रहेगी। 27 और 28 अगस्त को बारिश की गतिविधियां सबसे ज्यादा हो सकती हैं। क्टऊ के पूवार्नुमान के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह और रेवाड़ी में हल्की बारिश होने के आसार हैं। ताजा पूवार्नुमान के मुताबिक, दक्षिण दिल्ली के साथ दादरी और कोसली में बारिश होने के आसार हैं। गुजरात में भी 27-28 अगस्त को मध्यम से भारी मॉनसूनी वर्षा होने की संभावना है। महाराष्ट्र में इस सप्ताह अधिकांश भागों पर मौसम कमजोर रहेगा। 27 और 28 को महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर अधिक बारिश होने की संभावना है।

बिहार में जगह-जगह होगी बारिश

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी संजय कुमार के अनुसार, बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे मैदानी भागों की ओर आगे बढ़ रहा है। इससे अगले एक-दो दिनों तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, इस समय मानसून सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है। अगले 2-3 दिनों के दौरान इसके सक्रिय रहने की संभावना है।

सोनिया गांधी फिर बनीं कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। कांग्रेस में बदलाव और सुधारों को लेकर उठ रही तेज आवाज और अरसे बाद हुई कवायद के बाद अब लगने लगा था कि सोमवार को होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) बैठक में इस पर कोई बड़ा फैसला होगा। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। एकजुट फैसला हुआ कि सोनिया गांधी के कंधों पर ही पार्टी का बोझ डाला जाए। कम से कम तब तक जब तक एआइसीसी में कांग्रेस के नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो जाता है। इतना ही नहीं बल्कि यह मांग भी उठी कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष बन जाएं।

सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि CWC की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा, हम बड़े परिवार का हिस्सा हैं। हमारी सोच में अंतर हो सकता है लेकिन हमें साथ रहना चाहिए। समय की मांग है कि हम जनता के लिए लड़ें और उन ताकतों से लड़ें जो देश को बर्बाद कर रही हैं। संगठनात्मक मुद्दों को हमेशा संबोधित किया जाता है। संविधान और पुनर्गठन की प्रक्रिया निरंतर होती है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने कहा कि मैं किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं रखती हूं, लेकिन, पार्टी की बात पार्टी फोरम पर ही कहनी चाहिए क्योंकि वह उन्हें परिवार का हिस्सा मानती है।

बहरहाल, इससे पहले बैठक में तीर भी चले और हालात तब बेकाबू होने लगा, जब राहुल गांधी ने बदलाव का पत्र लिखने वाले वरिष्ठ नेताओं पर भाजपा के साथ साठगांठ का ही आरोप जड़ दिया।

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 33 अतिरिक्ति न्यायाधीशों की स्थाई नियुक्ति के प्रस्ताव को दी मंजूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर काम कर रहे 28 न्यायाधीशों के स्थाई होने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 28 अतिरिक्ति न्यायाधीशों की स्थाई नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। इसके अलावा कोलीजियम ने कलकत्ता हाईकोर्ट के भी पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थाई करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 24 अगस्त को हुई बैठक में अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थाई करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जिन अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थाई करने को मंजूरी दी गई है उनमें जस्टिस प्रकाश पांडिया, जस्टिस आलोक माथुर, जस्टिस पंकज भाटिया, जस्टिस सौरभ लवानिया, जस्टिस विवेक वर्मा, जस्टिस संजय कुमार सिंह, जस्टिस पियूष अग्रवाल, जस्टिस सौरभ श्याम शमशेरी, जस्टिस जसप्रीत सिंह, जस्टिस राजीव सिंह, जस्टिस मंजू रानी चौहान, जस्टिस करुणेश सिंह पवार, जस्टिस योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जस्टिस मनीष माथुर, जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल, जस्टिस राम कृष्ण गौतम, जस्टिस उमेश कुमार, जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, जस्टिस अनिल कुमार, जस्टिस राजेन्द्र कुमार, जस्टिस मोहम्मद फैज आलम खान, जस्टिस विकास कुंअर श्रीवास्तव, जस्टिस वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जस्टिस सुरेश कुमार गुप्ता, जस्टिस सुश्री घंडिकोटा श्रीदेवी, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जौहरी, जस्टिस राजबीर सिंह व जस्टिस अजीत सिंह हैं। इसके अलावा कोलीजियम ने बैठक में कलकत्ता हाईकोर्ट के भी पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट में जिन न्यायाधीशों को स्थायी करने को मंजूरी दी गई है उनमें जस्टिस मोहम्मद निजामुद्दीन, जस्टिस तीर्थाकर घोष, जस्टिस हिरन्मय भट्टाचार्या, जस्टिस सौगत भट्टाचार्या और जस्टिस मनोजीत मंडल शामिल हैं।

सीमा विवाद सुलझाने के लिए एक और कमांडर स्तरीय वार्ता की तैयारियों में भारत व चीन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत व चीन के बीच तनाव में कोई कमी नहीं आई है, लेकिन दोनों देशों के बीच सैन्य अधिकारियों के बीच एक और बातचीत आयोजित करने को लेकर विमर्श हो रहा है और संभवतः यह बैठक अगले एक-दो दिनों के भीतर ही होगी।

दूसरी तरफ, भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने सीधे तौर पर चीन को चेतावनी दे डाली है कि, अगर चीन से होने वाली बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला तो भारत सैन्य विकल्पों पर विचार करेगा। जनरल रावत के इस बयान को एलएसी पर चीन के अभी तक के अड़ियल रवैये से जोड़ कर देखा जा रहा है। यह एक संदेश देने की भी कोशिश है कि भारत किसी भी स्थिति में झुकने वाला नहीं है। हर परिस्थिति के लिए तैयार है।

भारत की तरफ से सैन्य तैयारियां जोरों पर हैं। एक महीने बाद शुरू होने वाली सर्दियों को देखते हुए भारतीय वायु सेना और थल सेना के बीच सामंजस्य बनाया जा चुका है और इसी हिसाब से तैनातियां हो रही हैं। उधर, चीन से यह खबरें आने लगी हैं कि उसने भी एलएसी के साथ ही तिब्बत से सटे पश्चिमी सीमा पर

सैन्य गतिविधियों को तेज कर दिया है। पैंगोंग, गलवन वैली, देपसांग और गोगरा में पिछले एक महीने में चीन ने अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ा दी है और ढांचागत निर्माण भी।

चीनी विदेश मंत्रालय का यह बयान कि दोनों तरफ से सैनिकों की वापसी का काम चल रहा है, जमीनी सच्चाई से दूर है। सूत्रों का कहना है कि विदेश मंत्रालयों के बीच और सैन्य अफसरों के बीच हुई पिछली दोनों बैठकों में चीन का रुख सार्वजनिक तौर पर दिए जा रहे बयानों से अलग है। संभवतः यही वजह है कि सीडीएस ने बातचीत के असफल होने के बाद की बात कही है।

जनरल रावत ने कहा है कि लद्दाख में चीन के अतिक्रमण से निपटने के लिए सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला है लेकिन यह तभी आजमाया जाएगा जबकि कूटनीतिक व सैन्य वार्ता से कोई हल नहीं निकलेगा।" जनरल बिपिन रावत ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में यह बयान दिया है। वैसे उन्होंने इस विकल्प के बारे में कुछ विस्तार से नहीं बताया है। लेकिन सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चीन से चल रही बातचीत के किसी दिशा में नहीं बढ़ने को लेकर भारत की निराशा को भी दशार्ता है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने भी पिछले हफ्ते कई स्तरों की बातचीत के बावजूद चीन के रवैये में खास बदलाव नहीं आने पर निराशा जताई थी।

मई, 2020 में चीन के पूर्वी लद्दाख के गलवन सेक्टर में घुसपैठ के बाद भारत के साथ उसकी सैन्य स्तर पर पांच बार बातचीत हो चुकी है। इसके अलावा चार बार विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच विमर्श हुआ है। दोनो देशों के विदेश मंत्रियों की एक बार बातचीत हुई है। जबकि सीमा विवाद सुलझाने के लिए गठित विशेष प्रतिनिधियों (एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी) के बीच भी एक बार बातचीत हुई है। डोभाल व वांग यी के बीच सैन्य वापसी की सहमति बनी थी, लेकिन भारत ने कहा- पूरी तरह से सैनिकों की वापसी ही एक मात्र रास्ता है।

माना जाता है कि बातचीत को लंबा खींचने के पीछे चीन की मंशा एलएसी को भारत की तरफ ढकेलने की है। दूसरी तरफ, भारत ने भी स्पष्ट कर दिया है कि पूरी तरह से सैनिकों की वापसी ही एक मात्र रास्ता है।

कर्नाटक में भाजपा नेता उमेश जाधव के बेटे सहित चिचोली के विधायक का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव

बेंगलुरु, एएनआइ। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य और लोक सभा सदस्य उमेश जाधव के बेटे अविनाश और चिंचोली के विधायक सहित उनकी पत्नी का भी कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। अधिकारी सूचना के मुताबिक, सभी का इलाज चल रहा है। न्यूज एजेंसी आइएएनएस के अनुसार नेता उमेश जाधव की पत्नी और विधायक अविनाश की पत्नी मेघना का भी कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। शहर के राज्य में संचालित बॉरिंग अस्पताल सभी का इलाज चल रहा है। भाजपा नेता उमेश जाधव के अलावा उनके बेटे सहित ड्राइवरों के निजी सहायकों में भी कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 25 अगस्त, 2020

संक्षेप समाचार

राष्ट्र की प्रगति का सारा दारोमदार युवाओं के हाथ में : ठकुरिया

करमा । किसी देश का युवा वर्ग ही अमुक देश की रीढ़ होता हैं युवा वर्ग जितना अधिक शिक्षित एवम संस्कारवान होगा उक्त राष्ट्र उतना ही विकसित एवम सभ्य होगा इसलिए सभी युवाओं का नैतिक कर्तव्य हैं कि समाज एवम राष्ट्र की प्रगति के लिए जितना अधिक हों सकें उतना ही पढ़ें एवम अच्छे लोगों की संगति करें उक्त बातें राघवेन्द्र ठकुरिया नें शनिवार कों एक खेल के मैदान में युवाओं के मार्गदर्शन में कही श्री ठकुरिया कौंधियारा विकास खण्ड में सहायक अध्यापक हैं जों सदैव वृक्षारोपण , खेलकूद आदि विषयों पर युवाओं कों आवश्यक दिशा निर्देशन प्रदान करतें रहते हैं बताया जाता हैं कि श्री ठकुरिया 'जल, जंगल, जमीन' कों आवश्यक बताते हुए इनके संरक्षण की महत्ता कों समझाकर युवाओं कों इनके संरक्षण की शपथ भी दिलवातें हैं ।

युवा देश का भाग्य विधाता : मयंक पाण्डेय

करमा । समाज में फैली विभिन्न सामाजिक बुराइयों को खत्म करनें साथ ही देश की सामाजिक, आर्थिक एवम राजनैतिक क्षेत्र में सकारात्मक प्रगति के साथ राष्ट्र की अखण्डता एवम एकता विश्व के पटल पर देश को अग्रणी एवम सम्मानित करनें करनें की जिम्मेदारी देश के युवाओं पर हैं अतः सभी युवा साथियों से आग्रह हैं कि धर्म , जाति आदि बंधनों से ऊपर उठकर एक मजबूत एवम सशक्त राष्ट्र के निर्माण में देश का प्रत्येक युवा सहयोग करें उक्त बातें युवा समाजसेवी एवम छात्रनेता मयंक पाण्डेय नें सोमवार को लहबरा , अकोढ़ा, सेहरा , पतियरिया , सोनाई आदि गाँवों में जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न एवम मास्क वितरण के दौरान युवाओं एवम ग्रामीणों को संबोधित करतें हुए बोले आगे उन्होने ग्रामीणों से मास्क पहनने एवम सामाजिक दूरी के महत्व को भी ग्रामीणों के मध्य साझा किये।

पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने की आत्महत्या

नाराज युवक ने छप्परनुमा घर की बड़ेर में रस्सी के सहारे फांसी पर झूल गया

सैदाबाद। क्षेत्र के बढ़ौली गांव के मल्हान बस्ती में पत्नी के घर ना आने से नाराज युवक ने छप्परनुमा घर की बड़ेर में रस्सी के सहारे फांसी पर झूल गया। सुबह परिजनो ने युवक को रस्सी पर लटकते देखा तो उनके होश उड़ गये। मामले की जानकारी सैदाबाद चौकी को दी। मौके पर पहुची सैदाबाद चौकी पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।

बढ़ौली गांव निवासी गंगाधर (22) पुत्र ताराचंन्द घर मे ही रहकर अपने पैतृक ब्यवसाय मछली पकड़ने के काम में अपने पिता का हांथ बटाता था। मृतक की शादी बीते जून माह मे मिजार्पुर के गोगांव गांव मे मे लक्ष्मीना पुत्री बाबूराम के साथ हुई थी। शादी के बाद पत्नी के घर ना आने से मृतक नाराज रहता था। कई बार उसने परिजनो से पत्नी को घर ले आने की बात कही। बीते रविवार की रात गंगाधर छप्पनुमा घर मे बड़ेर में रस्सी के सहारे फांसी पर झूल गया। सोमवार सुबह कमरे से बाहर ना निकलने पर मृतका की मां शांति ने आवाज दी लेकिन उसने कोई जवाब नही दिया। खिड़की के सहारे मृतका की मां ने देखा तो गंगाधर फांसी पर झूल रहा था। मामले की जानकारी सैदाबाद चौकी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। आवश्यक कार्यवाही के बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक दो भाइयो व पांच बहनो मे सबसे बड़ा था। घटना के चलते घर मे कोहराम मचा हुआ है।

मौत के बाद जुटी भीड़ व मौजूद पुलिस

एसडीएम ने गौशालाओं का किया औचक निरीक्षण

करछना। तहसील क्षेत्र के गांवों में स्थित गौ आश्रय के लिए बनाये गये गौशालाओं का औचक निरीक्षण सोमवार को उपजिलाधिकारी करछना ने किया तथा पशुओं के भोजनए साफ.सफाईए पेजयल को लेकर गंभीरता से लेते हुए गौशाला संचालकों को निर्देश दिया। क्षेत्र के नौगवांए कुल्हड़ियाए पंवरीए टिकरीए रमगढ़वा आदि गांव में एसडीएम पहुंचकर गौआश्रय स्थल के बावत जानकारी लिया। उन्होने कहा कि शासन द्वारा मिलने वाली धनराशि का पूरा.पूरा उपयोग किया जाए जिससे गौशाला में रहने वाले पशुओं को उचित चारा.पानी मिल सके। साथ ही साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएं जिससे बारिश के मौसम में पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव हो सके। उन्होने उपस्थित मातहतों को निर्देश दिया कि कोई भी आवारा पशु किसानों के खेतों को नुकसान न पहुंचाएं ऐसे पशुओं को इन गोआश्रय स्थलों में भेजने की तत्काल व्यवस्था किया जाय।

गौशाला का निरीक्षण करतीं एसडीएम

जमीनी विवाद में ननद ने भाभी को लाठी डंडे पिटाई कर किया लहूलुहान

घूरपुर । घूरपुर के बादलगंज गांव में जमीनी विवाद के चलते ननद ने अपनी भाभी को लाठी डंडे से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के पति ने थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। बादलगंज गांव निवासी संगीता देवी (35) पत्नी राजेश कुमार सोमवार के दिन अपने घर पर थी कि आरोप है कि रमईपुर हनुमानगंज से ननद मां को देखने आई थी की भाइयों के बीच चल रहे जमीनी विवाद को लेकर ननद से कहासुनी हुई तो ननद ने भाभी संगीता को लाठी डंडे से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर पहुंचा पति पीड़िता को थाने ले जाकर शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज मामले की छानबीन कर रही है।

नहर में डूबने से मासूम की मौत

शंकरगढ़। शंकरगढ थाना क्षेत्र के नारीबारी चौकी अंतर्गत फुलतारा गांव में एक बालक की पानी में डूबने से मौत हो गयी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार की शाम करीब 5 बजे नारीबारी के फुलतारा गांव निवासी पिंटू सिंह का दो वर्षीय बालक शिवम घर के सामने बच्चों के साथ खेल रहा था, कि अचानक खेलते खेलते वह घर के सामने नहर में चला गया और डूबने से बालक की मौत हो गयी।साथ में खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया तो परिजनों समेत आसपास के लोग नहर में कूदकर बालक को ढूढ़ने लगे, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। लगभग एक घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद बालक नहर से पांच सौ मीटर दूर मिला। लोगों ने बताया कि जब बालक पानी में मिला तो उसकी सांसे चल रही थी,घर वाले आनन फानन में उसे पास के अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया।वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था,उक्त घटना से बालक के माता पिता व उनके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

मऊआइमा कस्बा में एक और कोरोना पाजिटिव मिलने से हड़कंप

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में कोरोना का कहर लगातार जारी है । कस्बे में एक महिला के और पाजिटिव पाए जाने पर क्षेत्र में कोरोना पाजिटिवों की संख्या 33 पहुंच गई है । हालांकि एक दर्जन उपचार के दौरान ठीक होकर घर आ चुके हैं ।

मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र में कोरोना पाजिटिवों की संख्या बढती जा रही है । सोमवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बताया गया है कि मऊआइमा नगर पंचायत के मोहल्ला स्टेशन रोड पूरे मियां जी दक्षिणी भाग की निवासनीय मालती देवी 50 वर्ष पत्नी लक्ष्मण सोनी की जांच के बाद कोरोना पाजिटिव पाए जाने पर उसे शहर के कोरोना हास्पिटल में भर्ती करा दिया गया है तथा पूरे परिजनों को क्वालंटाइन कर दिया गया है। नगर पंचायत के कर्मचारियों ने स्टेशन रोड पूरे मियां जी दक्षिणी भाग को बांस बल्लियों से सीज कर मोहल्ले में सेनाटाइजिंग किया जा रहा है तथा सभी को जांच कराने का बार बार ऐलान कराया जा रहा है । इसके पूर्व कस्बा के मोहल्ला गंजियाबाजार, मोहल्ला मौलाना, सदरबाजार में कोरोना पाजिटिव पाए गए थे। तथा ग्राम हरिसेनगंज, सरपताही नहर, लोकापुर, सेमरावीर भानपुर, रामनगर गंसियारी छपाई बाग आदि गांवों में कोरोना पाजिटिव मिलने से कुल संख्या 33 पहुंच गई है । हालांकि एक दर्जन पाजिटिव से निगेटिव आ जाने के बाद घर भी आ चुके हैं ।

सम्मान समारोह 5 सितंबर को अजय सिंह पटेल होंगें मुख्य अतिथि

करमा । समाज को सदैव अध्यापकों एवम समाजसेवियों के प्रति ऋणी रहना चाहिए क्योंकि समाज एवम राष्ट्र की प्रगति में इनका बड़ा योगदान होता हैं इन्ही बातों को प्रकाश में रखतें आगामी विश्व अध्यापक दिवस के अवसर करछना क्षेत्र में स्थित पी. बी. आर. श्री परमहंस साइंस फामेर्सी कालेज में समाजसेवियों एवम यमुनापार के विभिन्न प्रधानाचार्य गणों को सम्मानित किया जाएगा साथ ही कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के अनेकों मेधावियों को भी सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवम जरूरतमंद लोगों की मदद करनें वालें श्री अजय सिंह पटेल जी मुख्य अतिथि होंगें उक्त जानकारी संस्थान के प्रबंधक श्री ए.पी. सिंह नें प्रदान की हैं ।

सौ लीटर अवैध स्प्रिट के साथ तीन अभियुक्त को पकड़ाये

घूरपुर। घूरपुर पुलिस और आबकारी की संयुक्त टीम ने सोमवार की सुबह चेकिंग अभियान के दौरान एक स्कार्पियो को रोक उसमे 100 लीटर अवैध स्प्रिट बरामद करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है ।पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया है ।

घूरपुर एसओ भुवनेश कुमार चौबे व आबकारी प्रभारी रोहन कुमार अपनी अपनी टीम लेकर संयुक्त रूप से सोमवार की सुबह वाहनों की जांच गौहनिया ओवर ब्रिज के पास कर रहे थे ।इसी बीच एक स्कार्पियो गाड़ी तेज गति से आती दिखाई दी ।जिसे उक्त टीम ने रुकने का इशारा किया लेकिन स्कार्पियो का चालक तेज गति से भगाते हुए निकल गया ।जिसे पुलिस टीम ने घेर कर रोक लिया । स्कार्पियो को घूरपुर थाने ले जाया गया तो उसके भीतर 100 लीटर अवैध स्प्रिट बरामद हुआ । पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों रविशंकर तिवारी निवासी रिठइया बाजार थाना सरायइनायत, राज तिवारी निवासी शंकरगढ़ व धीरज पटेल निवासी दलापुर थाना सराय इनायत के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

पुलिस की गिरफ्त में स्प्रिट के कारोबारी

यूपी से चुराकर एमपी में बेचते थे मोटरसाइकिल, गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने सोमवार को अंतरप्रांतीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। एसएसपी अभिषेक दीक्षित के निर्देश और पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्रा के मार्गदर्शन में एसओ शंकरगढ़ राजेश उपाध्याय ने बड़ी कार्यवाही की है। इस दौरान अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो शातिर सदस्यों उमेश उर्फ भोला भारतीया पुत्र राम किशुन भारतीया निवासी कंचनपुर थाना बारा, धीरज कुमार हरिजन पुत्र रामप्रकाश हरिजन ग्राम खुटौना थाना होलागढ़ को धर दबोचा गया।

शंकरगढ़ थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ अभियान चलाकर गाड़ियों को चेक कर रहे थे। उसी दौरान दो लोगों को पकड़ा गया, जिनके पास गाड़ी के कागजात नहीं थे।पूँछतांछ करने पर दोनों गाड़ी चोरी की पाई गई। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों आरोपी ने बताया कि वह लोग प्रयागराज, वाराणसी, कौशांबी जैसे जनपद से गाड़ियों को चुराकर, नंबर प्लेट बदलकर कम दाम में दूसरे राज्यों में बेचा करते हैं।पूँछतांछ के दौरान ही कर्रा करने पर शंकरगढ़ पुलिस को शातिर अपराधियों ने जानकारी दी कि शंकरगढ़ के चंदनवा चरहरी खदान में चार मोटरसाइकिल और रखी है। शंकरगढ़ थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय फौरन पुलिस टीम भेजकर दबिश डलवाई तो चोरों के बताए हुए स्थान पर चार मोटरसाइकिल बरामद हुई। कार्रवाई करते हुए 6 मोटरसाइकिल बरामद कर दोनों शातिर अपराधियों को जेल भेज दिया। पुलिस टीम इस बरामदगी में थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय के साथ पीपीजीसीएल चौकी इंचार्ज रामप्रवेश सिंह, उपनिरीक्षक उमाशंकर सिंह, कांस्टेबल बृजमोहन मौर्य, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश वर्मा आदि का अहम योगदान रहा।

पुलिस की गिरफ्त में बाइक सहित बाइक चोर

घूरपुर में कोरोना पीड़ित महिला की इलाज के दौरान मौत

घूरपुर। कोरोना महामारी की चपेट में आई घूरपुर कस्बा की एक महिला की एसआरएन में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद कस्बा में हड़कंप मच गया। घूरपुर कस्बा की एक 50 वर्षीय महिला की शनिवार की हालत बिगड़ी तो जसरा सीएचसी में परिजन जांच कराने पहुंचे तो जांच की तो कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट आई। जिस पर इलाज के लिए उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया। जहां पर रविवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों में रोना पिटना मच गया। कोरोना से मौत की सूचना पर कस्बा सहित क्षेत्र में हड़कंप है।

महिला कोटेदार ने एसडीएम करछना से लगाई गुहार, दबंग दें रहे हैं धमकियां

करछना। प्रयागराज विकास खंड करछना के अंतर्गत आने गांव भगेशर देहली की सरकारी खाद्य सामग्री का वितरण प्रणाली करने वाली उक्त गांव की महिला कोटेदार फूला देवी ने। गांव के ही कुछ दबंग लोगों को आरोपित करते हुए उप जिलाधिकारी आकांक्षा राना से शिकायत की किया है कि सरकारी खाद्य सामग्री का वितरण प्रणाली करने के दौरान गांव के कुछ दबंग किस्म के लोग कोटे की सरकारी दूकान पर आकर जबरन गेहूँ चावल की मांग की, बिरोध करने पर जबरन खाद्य सामग्री उठा लेजाने की धमकी दी । जिसकी शिकायत महिला कोटेदार फूला देवी ने मामले को ग्राम प्रधान से की, जिसको लेकर गांव के प्रधान ने गांव के पंचायत सदस्यों को लेकर सोमवार को एसडीएम करछना आकांक्षा राना से लिखित शिकायत दबंगो के खिलाफ कार्रवाई केलिए किया । और सरकारी खाद्य सामग्री का वितरण प्रणाली के दौरान वितरण प्रणाली में बाँधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और सुरक्षा की मांग की है । जिससे पात्र लाभार्थियों को वितरण का कार्य किया जा सके की मांग की है ।

व्यापारियों के हितों कों ध्यान में रखतें हुए लाकडाउन तक मासिक बंदी निष्क्रिय : सुरेंद्र सिंह

करमा । सोमवार कों घूरपुर व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पटेल के नेतृत्व व्यापार मंडल के अनेकों पदाधिकारियों के मौजूदगी में सामाजिक दूरी का पालन के साथ मास्क लगाकर एक बैठक संपन्न की गयी जिसका मुख्य उद्देश्य यह था कि घूरपुर के भीटा बाजार इत्यादि आसपास की दुकानें प्रत्येक माह की 25तारीख कों होनें वाली मासिक बंदी लाकडाउन तक निष्क्रिय रखी जाएं क्युकी पिछले कई महीनों से कोरोना संक्रमण की वजह से व्यापारियों की हालत दिनोंदिन बदतर होती जा रहीं हैं व्यापारियों के सामने आजीविका के साथ कमरे का किराया इत्यादि आर्थिक दबाव बढ़ रहें दिन प्रतिदिन व्यापारी वर्ग अवसाद का शिकार हों रहें हैं इसलिए मासिक बंदी अब प्रभाव से हटानें का सामूहिक फैसला घूरपुर व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों के द्वारा लिया गया ।

प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ भागीदारी संकल्प मोर्चा ने किया प्रदर्शन

करछना। विधानसभा अंतर्गत चंपतपुर ग्राम सभा में मयंक राज सिंह पटेल की अध्यक्षता में भागीदारी संकल्प मोर्चा (राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी पी.) द्वारा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं पिछड़े ,दलित, अल्पसंख्यक, श्रमिक, मजदूर, नौजवान, किसान बेरोजगार के ऊपर हो रहे अन्याय, अत्याचार, जुल्म जाति एवं जन विरोधी सरकार की नीतियों, बी.पी शर्मा आयोग के विरोध में काली पट्टी बांधकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया

राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी पी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं पूर्व सदस्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम उत्तर प्रदेश सरकार डॉक्टर महेश चंद्र प्रजापति ने धरना को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी भारतीय झूठ पार्टी पिछड़े दलित अल्पसंख्यक से केवल वोट लेना चाहती है लेकिन हिस्सेदारी के सवाल को लेकर कभी भी कोई ठोस रणनीति नहीं बनाया यदि उत्तर प्रदेश में भागीदारी संकल्प मोर्चा की सरकार बनती है तो सबसे पहले हम लोग प्राथमिक स्तर में तकनीकी शिक्षा लागू करेंगे प्राथमिक अस्तर से परास्नातक तक की शिक्षा मुफ्त देंगे उत्तर प्रदेश में शराब बंद कराने का कार्य करेंगे 27% ओबीसी और 22 पर्सेंट एससी एसटी के आरक्षण में विभाजन कराने का कार्य करेंगे मतदाता पेंशन लागू करने का कार्य करेंगे पूरे प्रदेश में एक कार्ड लागू किया जाएगा जिसका नाम गरीब कल्याण कार्ड रखा जाएगा जिससे कोटे से जो भी खाद्य सामग्री मुहैया कराई जाएगी उन सभी गरीब परिवारों को देने का कार्य किया जाएगा भागीदारी संकल्प मोर्चा चाहता है कि पंचायत चुनाव की तरह लोकसभा और विधानसभा में पिछड़ों का आरक्षण सुनिश्चित किया जाए और साथ ही बीपी शर्मा आयोग जो मोदी और योगी के इशारे पर बनाया गया है जिसको बीजेपी भारतीय झूठ पार्टी क्रीमी लेयर और नॉन क्रीमी लेयर में लड़ाने का कार्य कर रही है इस आयोग को समाप्त किया जाए यदि समय रहते यह आयोग को समाप्त नहीं किया गया तो लॉकडाउन समाप्त होने के बाद पूरे देश में बीपी शर्मा आयोग के विरोध में विशाल रैली किया जाएगा

प्रदर्शन के दौरान उपस्थित लोग

राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी पी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकास सिंह पटेल जी ने धरना को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी भारतीय झूठ पार्टी सरदार पटेल के नाम पर पटेल समाज को गुमराह करने का कार्य किया जिस प्रकार से गुजरात में सरदार पटेल की मूर्ति लगाई गई उस मूर्ति का कोई औचित्य नहीं था जो पैसा मूर्ति लगाने में खर्च किया गया यदि यही पैसा सरदार पटेल के नाम से विश्वविद्यालय खोलने का काम किया गया होता तो सरदार पटेल की विचारधारा उस विश्वविद्यालय में चलती जहां से छात्र पढ़ लिख कर मास्टर बाबू डॉक्टर चपरासी लेखपाल सिपाही दरोगा एसडीएम तहसीलदार मजिस्ट्रेट भरने का कार्य करते और सरदार पटेल के सपनों को साकार किया जाता है लेकिन बीजेपी ने ऐसा नहीं किया पटेल समाज के कई नेताओं को उत्तर प्रदेश में खड़ा कर-के पटेल बिरादरी का वोट लेने का जो रणनीति बनाई है ऐसा हम लोग होने नहीं देंगे पटेल समाज अब जाग गया है पटेल समाज की विचारधारा मान्यवर सोने लाल पटेल की विचारधारा को मानने वाले हैं जिस कमेरा वर्ग की बात मानो सोनेलाल पटेल जी करते थे उसकी लड़ाई लड़ने का कार्य हमारे जैसे नौजवान साथी करना प्रारंभ कर दिए हैं और 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी भारतीय झूठ पार्टी को धूल चटाने का कार्य किया जाएगा इस अवसर पर विल्सन सिंह अजय सिंह पटेल कुंवर सिंह सिंगरौर रावत संजय गौतम हिमांशु सिंह आदि पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

आपत्तिजनक मैसेज भेजने पर एफआईआर

नैनी। नैनी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक युवती ने करछना के एक युवक और उसकी पत्नी पर सोशल मीडिया के जरिए आपत्तिजनक पोस्ट भेजने और विरोध करने पर अभद्रता करने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उक्त युवती के अनुसार करछना का रहने वाला नागेश कुमार और उसकी पत्नी दोनों मिलकर युवती के व्हाटसएप और ट्वीटर हैंडल पर आपत्तति जनक मैसेज पोस्ट करते हैं। युवती का दावा है कि नागेश उसका नंबर कहा से पा गया, इसके बारे में उसे नहीं मालूम। जब वह उसे ऐसी हरकत न करने को कहती है तो वह अभद्रता करता है। उसकी शिकायत पर पुलिस ने 66 आईटी एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज कर ली है।

अंतरराज्यीय इनामी गांजा तस्कर समेत दो गिरफ्तार

ट्रक में मिला डेढ़ टन गांजा

प्रयागराज। अंतरराज्यीय गांजा तस्करी करने वाले एक गिरोह का एसओजी और नवाबगंज पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र स्थित बदरा गांव निवासी दीपक सिंह बघेल उर्फ दीपू और प्रतापगढ़ के अंतू पूरब गांव के सुधीर कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से 20 किलो गांजा, दो लक्जरी कार, 13 बम और आठ मोबाइल बरामद हुए हैं।

वहीं, करछना का खगेश पांडेय, सोनभद्र का आलोक सिंह और सुधीर का भतीजा बीरू सिंह फरार है। इनकी तलाश चल रही है। सरगना दीपू पर मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से वांछित था और उस पर 10 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस का कहना है कि दीपू गिरोह का सरगना और गांजे का थोक विक्रेता है। वह उड़ीसा से तीन हजार रुपये प्रति किलो गांजा मंगवाकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पांच से आठ हजार रुपये किलो बिकवाता था। करछना का खगेश पांडेय उसका खास आदमी है, जो अपने साथियों के साथ मिलकर तस्करी करता है। कुछ दिन पहले मंडला के बुढ़ारा थाने की पुलिस ने दीपू के ट्रक को पकड़ लिया था और उसमें डेढ़ टन गांजा लदा हुआ था। ट्रक पकड़े जाने के बाद वह कार में रखे हुआ गांजे को बेचते-बेचते शंकरगढ़ की तरफ से प्रयागराज में घुस आया। इसकी जानकारी एसओजी यमुनापार के प्रभारी बृंदावन राय को हुई तो उन्होंने टीम के साथ गिरफ्तारी के लिए जाल बिछा दिया।

मामले का खुलासा करते पुलिस अधिकारी

मगर तस्कर रविवार रात गंगापार के नवाबगंज इलाके में पहुंच गए, जहां इंस्पेक्टर नवाबगंज सुरेश सिंह की मदद से एसओजी ने सभी को घेर लिया गया। कार पर सवार तीन तस्कर भाग निकले, लेकिन दो को दबोच लिया गया। पूछताछ में पता चला कि सफारी कार फरार बीरू की है, जबकि दूसरी कार के मालिक को ट्रेस नहीं किया जा सका है।

शासनादेश पर प्रशासन ने बंद कराई दुकानें

बरौत। हंडिया कस्बा में सीओ माजिद अबसार व कस्बा इंचार्ज अवधेश कुमार सिंह सोमवार को हण्डिया कस्बा के अंदर खुली दुकानों को बंद कराया। वही साशना आदेश व उच्च अधिकारियों के निर्देशन में सीओ हाडिया व कस्बा इंचार्ज हर दुकानों पर पहुंचकर दुकानें बंद कराते हुए उन्हें हिदायत दी की सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक ही दुकाने खोल सकते हैं।यदि नियम का कोई उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल 7 बजे के बाद दुकान बंद हो जाने से कस्बा में सन्नाटा छा गया।वही उच्च अधिकारियों को बात को मानने के लिए सभी दुकानदारों ने सहमति दी।

जिलाधिकारी ने कालिंदीपुरम में बनाये गये एल-1 कोविड सेंटर का किया निरीक्षण

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने सोमवार को कालिंदीपुरम में बनाये गये एल-1 कोविड सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर भर्ती मरीजों के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों के खान-पान सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया है। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कोविड केयर सेंटर में साफ-सफाई की निरंतर समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। साथ ही साथ वहां पर अग्निसमनयंत्र की भी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल में बैठक भी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि भर्ती मरीजों के लिए जो भी सुविधायें सुनिश्चित की गयी है, समय से मरीजों को उपलब्ध होती रहे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये।

हाईकोर्ट ने डाक्टर कफील खान पर लगी रासुका का मूल रिकार्ड तलब किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कफील खान की रासुका में निरुद्धि के खिलाफ दाखिल याचिका पर प्रदेश सरकार से रासुका लगाने सम्बंधी मूल दस्तावेज तलब किये हैं। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि 27 अगस्त नियत करते हुए मूल पत्रावलियां कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है, जिनके द्वारा याची पर रासुका लगाया गया है। कफील खान की और से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार ने सरकार के हलफनामे का जवाब देने के लिए और समय की मांग की। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने भी एक और संपूरक हलफनामा दाखिल करने का समय मांगा। जिसे स्वीकार करते

हुए कोर्ट ने कहा कि 27 अगस्त को मामला सुनवाई के लिए पेश किया जाय। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश गोविन्द माथुर तथा न्यायमूर्ति समित गोपाल की खंडपीठ ने डा कफील अहमद खान की मां नुजहत परवीन की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। सीएए को लेकर भड़काऊ बयानबाजी करने के लिए जिलाधिकारी अलीगढ़ ने 13 फरवरी 2020 को कफील खान को रासुका में निरुद्ध करने का आदेश दिया है। यह अवधि दो बार बढायी जा चुकी है। याचिका में निरूद्धि की वैधता को चुनौती दी गई है। हालांकि कफील खान को गोरखपुर के गुलहरिया थाने में दर्ज एक मुकदमे में 29 जनवरी 2020 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। जेल में रहते हुए रासुका तामील कराया गया है। याची ने डॉ. खान की रासुका में निरूद्धि को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को मूल पत्रावली भेजते हुए इस मामले को तय करने का आदेश दिया है। इस मामले में प्रदेश सरकार और याची के सीनियर वकील द्वारा पहले भी कई बार समय मांगा जा चुका है।

सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण के खिलाफ हाईकोर्ट बार के पूर्व पदाधिकारियों की 25 को बैठक

प्रयागराज। सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण को लेकर हाईकोर्ट बार पूर्व पदाधिकारियों का भी सहयोग लेगा। आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए भविष्य में और कई कदम उठाने की योजना है। इस पर पूर्व पदाधिकारियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं की राय लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। एसोसिएशन ने सोमवार को इस मामले में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विचार विमर्श किया। बैठक में कहा गया कि किसी भी अधिकरण की स्थापना प्रयागराज में नहीं की जा रही है। जबकि यहां हाईकोर्ट की प्रधानपीठ है। शासन का रवैया प्रयागराज को लेकर भेदभाव पूर्ण है। इसलिए कोई भी आंदोलन यहां की आम जनता, जन प्रतिनिधियों और सम्मानित नागरिकों को साथ में लेकर किया जाएगा।

डीआईओएस ने प्रधानाचार्यों को दिया दिशा निर्देश

प्रयागराज। कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत विद्यालय शिक्षण हेतु बन्द हैं। ऐसी दशा में छात्र-छात्राओं को शिक्षण उपलब्ध कराने के लिए कक्षा 9 एवं 11 के लिए स्वयंप्रभा चैनल पर तथा कक्षा 10 व 12 के लिए दूरदर्शन पर वीडियोज प्रसारित किये जा रहे हैं।

यह बातें जिला विद्यालय निरीक्षक आर.एन विश्वकर्मा ने सोमवार को संत अंथोनी कान्वेंट गर्ल्स इण्टर कॉलेज, प्रयागराज में जनपद के सभी माध्यमिक विद्यालयों की बैठक में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार प्रदेश के सभी माध्यमिक विद्यालय वर्चुअल विद्यालय के रूप में स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रधानाचार्य अपने-अपने विद्यालय के छात्रों, अभिभावकों को स्वयंप्रभा एवं दूरदर्शन पर प्रसारण की समय सारिणी उपलब्ध करायें। छात्रों की जिज्ञासा समाधान के लिए लिए कक्षावार ड्रापबाक्स लगायें। व्यवस्था के अनुसार छात्रों के प्रश्नों का उत्तर भी अनिवार्य रूप से दिया जाये।

उपस्थित प्रधानाचार्य

कोर की लखनऊ परियोजना ने रचा नया कीर्तिमान

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज की लखनऊ परियोजना द्वारा कोविड-19 महामारी के बावजूद पहले अनलॉक प्रक्रिया के आरम्भ होने के साथ ही रेल विद्युतीकरण परियोजना लखनऊ ने भी विद्युतीकरण संबन्धित कार्य चरणबद्ध तरीके से प्रारम्भ किये गए।

सभी विकल्पों पर विचार करते हुए 12 अगस्त को मास्टर इरेक्शन के पुराने कीर्तिमान को पार करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया। पुराना कीर्तिमान समस्त परियोजनाओं द्वारा एक कार्य दिवस में 684 मास्ट इरेक्शन का तथा एक आरई ग्रुप में 502 मास्ट इरेक्शन का था जो अप्रैल 2018 में स्थापित किया गया था। नया लक्ष्य तय किया गया की एक आरई ग्रुप में 502 से अधिक तथा सम्पूर्ण परियोजना में सम्मिलित रूप में 1000 से अधिक ओएचई मास्ट एक कार्य दिवस में लगाए जाएं।

लखनऊ परियोजना ने 12 अगस्त को निश्चित गति को बनाए रखते हुए फाउंडेशन कास्टिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। कार्य योजना को तीन भागों में विभाजित किया गया। प्रथम भाग, चल स्टॉक की उपलब्धता तथा उनके अनुरक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति का था। इस हेतु दो वर्क ट्रेन जबलपुर इकाई से महोबा-खजुराहो तथा दुशरी गोरखपुर-आनन्द नगर खंड में भेजी गई। एक वर्क ट्रेन लखनऊ इकाई से महोबा भेजी गई रेल क्रेन को जोड़ने के लिए पुनः उसे पीलीभीत-टनकपुर खंड में भेजा गया। कार्य योजना का दूसरा भाग विभिन्न रेल मंडलों से समन्वय का था। समन्वय के प्रथम चरण में वर्क ट्रेन को निर्धारित खंड में भेजने के लिए पश्चिम मध्य, उत्तर मध्य, उत्तर तथा पूर्वोत्तर जोनल रेलवे से समन्वय स्थापित किया गया।

कोर के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमिताभ शर्मा ने बताया कि कार्य योजना के तीसरे चरण में ओएचई मास्ट की उपलब्धता तथा लक्षित रेल खंड के निश्चित बिन्दुओं पार उनके वितरण से संबन्धित था। तीनों चरणों से संबन्धित कार्यों के निष्पादन के साथ 22 अगस्त को सभी लक्षित रेल खंडों में कार्य आरम्भ कर दिया गया। कार्य दिवस की समाप्ति तक परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न रेल खंडों में प्रगति गोरखपुर-आनन्द नगर-नवतनवाः 568, पीलीभीत-टनकपुरः 270, मैनपुरी-इटावाः 210, प्रतापगढ़-फाफामऊः 209, उन्नाव-बालामऊ-सीतापुरः 184 एवं भंडाई-उड़ीः 101 कार्य निष्पादित करने में कुल दस वर्क ट्रेनों को लगाया गया। लखनऊ परियोजना ने एक दुरूह लक्ष्य प्राप्त किया। इसके परिणाम स्वरूप 1000 मास्ट इरेक्शन के लक्ष्य को न केवल पूर्ण किया बल्कि उससे भी आगे बढ़ कर इस संख्या को 1506 तक पहुंचाया।

महाप्रबन्धक कोर यशपाल सिंह के मार्गदर्शन में इस कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सका है। उनका पूर्ण विश्वास है कि एक सफलता ऐसे ही अनेक असाधारण लक्ष्यों को साधने के मार्ग प्रशस्त करेगी और राष्ट्र के आधारभूत संरचना में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन सतत योगदान देता रहेगा।

गौरीगंज रेलवे स्टेशन से गायब टेक्नीशियन की हत्या

प्रयागराज। अमेठी के गौरीगंज रेलवे स्टेशन से गायब टेक्नीशियन की हत्या कर दी गई। इस राज खुलासा सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस में लावारिस शव की पहचान होने के बाद हुआ। बहरिया थाने की पुलिस मृत रेलवे कर्मी के परिजनों से तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि बहरिया थाना क्षेत्र के सराय मदन कदम पुलिया के समीप नहर में रविवार को एक युवक का शव पाया गया। पुलिस को मृतक की जेब से बरामद आईडी एवं मोबाइल के माध्यम से पहचान हुई। मृतक बिहार के कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के भिट्टी भित्ती गांव निवासी सतीश कुमार सिंह (25) पुत्र रामानंद सिंह के परिवार वालों को सूचना दी थी। पुलिस की सूचना पर उसके परिवार के लोग सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और उसकी पहचान किया।

जानकारी देते हुए मृतक के पिता रामानन्द सिंह ने बताया कि वह दो भाईयों में बड़ा था। वह किसी तरह शिक्षा पूरी करने के बाद रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर नौकरी पा गया। वह मध्य प्रदेश के मासूम इन्दौर में नौकरी शुरू की। हाल ही में स्थानान्तरण होने की वजह से अमेठी के गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी कर रहा था। जहां से वह 18 अगस्त से गायब हो गया। यह खबर मिलते ही उसके पिता ने गौरीगंज एवं अपने पैतृक थाने में गुमशुदगी दर्ज कराया। जिसके बाद से बेटे की खोजबीन में लगा था। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर अन्तिम संस्कार के लिए ले गया।

शिक्षकों के सम्मान की ऑनलाइन प्रक्रिया में अफसरों ने किया खेल

भाजपा नेता ने बेसिक शिक्षा मंत्री से जांचोपरांत कार्यवाही की मांग किया

प्रयागराज। कौशाम्बी में राज्य शिक्षक पुरस्कार चयन प्रक्रिया पर सवालिया निशान लग गए हैं। आरोप है, बेसिक शिक्षा विभाग ने दस आवेदकों में सिर्फ दो के नाम ही राज्य स्तरीय समिति को अंतिम साक्षात्कार हेतु भेजे हैं, जो नियम विरुद्ध है। भाजपा नेता दिनेश तिवारी ने बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी एवं योगी सरकार को पत्र लिखकर जांच कराने जाने की मांग किया। कहा, अधिकारी सरकार की छवि खराब करने की मंशा बना चुके हैं, उन पर जांचोपरांत कार्यवाही कर योग्य शिक्षक को पुरस्कार देने की अपील किया।

दिनेश तिवारी ने बताया कि एक शिक्षिका तो ऐसी हैं जो ट्यूशन भी पढ़ाती हैं और पुरस्कार मिलने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। इसका ऑडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। अफसरों की इस मनमानी से अध्यापकों में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि कई शिक्षकों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर अपनी पीड़ा से अवगत कराया है।

इस बार आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन की गई थी। ऑनलाइन करने वालों का स्थानीय स्तर पर विभागीय अधिकारियों को सिर्फ वेरीफिकेशन करना था। लेकिन जनपद के अफसरों ने इस प्रक्रिया में भी खेल कर दिया। रिकार्ड पर नजर डालें तो जिले के दस शिक्षकों ने आवेदन किया था। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखते हुए अधिकारियों ने इनमें से सिर्फ दो का नाम अंतिम साक्षात्कार के लिए राज्य स्तरीय समिति को भेजा। चायल ब्लॉक के रसूलाबाद उर्फ कोइलहा गांव की चयनित शिक्षिका शालिनी कुशवाहा का एक कथित ऑडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। नियमों पर गौर करें तो ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक का चयन होना ही नहीं चाहिए। वहीं दूसरे शिक्षक दीप नारायण मिश्र रामपुर धमावां प्राइमरी स्कूल में तैनात हैं। आवेदकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत बेसिक शिक्षा महानिदेशक डॉ. सर्वेंद्र विक्रम सिंह से पत्र भेजकर की है। शासन ने साक्षात्कार समिति में सभी मंडलों के सहायक मंडलीय शिक्षा निदेशकों (एडी) को सदस्य बनाया है। इसलिए कौशांबी के मामले की शिकायत उनसे भी की गई है।

श्री तिवारी ने बताया कि आवेदन सचिन कुमार ओझा (कसया पश्चिम), नृपजीत सचान (डोरामा), पंकज सिंह (लोधना), सविता सिंह (सइबसा), पूनम सिंह (रसूलाबाद), क्षमा सचान (मोहम्मदपुर), ओमप्रकाश सिंह (उमरछा) ने किया। नाम काटने के बाबत कौशाम्बी के बीएसए से बातचीत की जाएगी। पूछा जाएगा कि ऐसा किन परिस्थितियों में किया गया। आरोप सही पाए गए तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। बीएसए को फोन किया गया लेकिन फोन नहीं उठा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के 28 अपर न्यायाधीशों को स्थायी करने की सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने की संस्तुति

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 28 अपर न्यायामूर्तियो को स्थायी न्यायाधीश नियुक्ति किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है और केन्द्र सरकार को संस्तुति की है। इनकी नियुक्ति 22 नवम्बर 2018 को दो साल के लिए की गयी थी। स्थायी न्यायाधीश बनने वाले न्यायमूर्तियों में न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया, न्यायमूर्ति आलोक माथुर,न्यायमूर्ति पंकज भाटिया, न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया, न्यायमूर्ति विवेक वर्मा, न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह, न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल, न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी, न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह, न्यायमूर्ति राजीव सिंह, न्यायमूर्ति मंजूरानी चैहान, न्यायमूर्ति करूणेश सिंह पवार, न्यायमूर्ति योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति मनीष माथुर ,न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल, न्यायमूर्ति राम कृष्ण गौतम,न्यायमूर्ति उमेश कुमार, न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति अनिल कुमार नवम्, न्यायमूर्ति राजेन्द्र कुमार चतुर्थ, न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खान,न्यायमूर्ति विकास कुंवर श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति सुरेश कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति घंटीकोटा श्रीदेवी, न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जौहरी, न्यायमूर्ति राजवीर सिंह, एवं न्यायमूर्ति अजीत सिंह शामिल है।

सपा की नई कार्यकारिणी में योगेश जिलाध्यक्ष एवं सैयद इफ्तेखार महानगर अध्यक्ष बने

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की जिला एवं महानगर अध्यक्षों की घोषणा सोमवार को कर दी गई है। जिसमें योगेश यादव को जिलाध्यक्ष तथा सैयद इफ्तेखार हुसैन को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है।

यह जानकारी सपा के मीडिया प्रभारी दान बहादुर ने देते हुए बताया कि सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से नई जिला कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर योगेश यादव को मनोनीत किया है। वहीं महानगर अध्यक्ष पद पर सैयद इफ्तेखार हुसैन को पुनः पदासीन किया गया है। योगेश यादव लंबे अरसे से महानगर महासचिव का पद संभाल रहे थे। नई जिला कार्यकारिणी में संदीप सिंह पटेल को जिला महासचिव, रामसुमेर पाल एवं अनिल कुमार यादव को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है।

गौरतलब है कि एक वर्ष पहले ही जिला एवं महानगर इकाई भंग कर दी गई थी। सपा के जिला प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने जानकारी देते हुए बताया है कि जिला एवं महानगर अध्यक्ष अपनी नई कार्यकारिणी का शीघ्र ही गठन करेंगे।

किसानों एवं दुकानदारों की समस्याओं को लेकर सपाईयों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज। जनपद में यूरिया खाद की घोर किल्लत और कालाबाजारी से जूझ रहे किसानों की समस्याओं, विद्युत आपूर्ति में सुधार किए जाने, प्रवासी श्रमिकों सहित रेहड़ी, पटरी दुकानदारों को प्रशासन द्वारा उजाड़े जाने आदि मुद्दों को लेकर सपा के पूर्व प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सोमवार को जिलाधिकारी प्रयागराज से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक तरफ कोरोना का भय है, दूसरी तरफ यूरिया खाद का अभाव। भय व अभाव को झेलने वाले अन्नदाताओं को सरकार भूल चुकी है। कहा, यदि 24 घंटे में खाद की किल्लत न दूर हुई तो समाजवादी लोग लाकडाउन तोड़कर सड़क पर आने के लिए मजबूर होंगे। सपा के जिला प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि कोरोना संकट के चलते रोजी रोटी खो चुके कमजोर और गरीब तबके के लोगों को रेहड़ी और पटरी पर भी नहीं बख्शा जा रहा है। जिससे इनके सामने घोर संकट पैदा हो गया है। जब तक इनके रोजगार की उचित व्यवस्था न की जाय तब तक उन्हें उजाड़ा न जाए। वहीं किसान नेता राजीव चंदेल ने यमुनापार के मेजा में 40 वर्षों से बंद पड़ी लालतारा डीही डिवाई नहर को चालू करने की मांग की। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर ज्ञापन एसीएम प्रेमचंद्र मौर्य ने लेते हुए आश्वासन दिया कि वह इस ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों को जो स्थानीय स्तर पर हल हो सकते हैं, उनके निराकरण का पूरा प्रयास करेंगे। ज्ञापन देने वालों में नरेंद्र सिंह, दान बहादुर मधुर, राजीव चंदेल, मो अस्करी, पूर्व प्रमुख संदीप यादव, हिमांशु कुमार सिंह, हरिश्चंद्र यादव, संतलाल वर्मा, आरएन यादव आदि मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपते सपा प्रतिनिधिगण

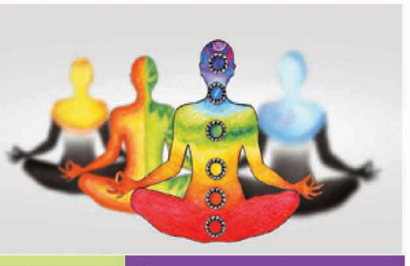

प्रयागराज मंगलवार, 25 अगस्त, 2020

क्रियायोग सन्देश

Kriyayoga - Scientific Technique To Attain Oneness with Cosmic-consciousness within Medulla

Jhunsi, Prayagraj : By the regular practice of Kriyayoga and adhering to the Dietary principles based on the philosophy of Kriyayoga Science, a Kriyayoga practitioner can perceive Truth and Non-violence within oneself. Then, one can experience that there is no distance between self and God - "I and God are One" (Aham Brahmasmi).

God has manifested in the forms of all creations of the Universe and also in the form of our existence. God Alone Exists. This means that God has become all the forms of visible and invisible existence. This Truth cannot be perceived by reading any book or listening to any lecture. This Truth also cannot be realized through analytical thinking, reasoning and debate. Even by the practice of outward rituals, this Truth cannot be perceived.

Adi Shankaracharya has declared that one cannot remove ignorance through outward rituals because the rituals and ignorance are not contrary to one another. One can only attain knowledge of Truth through perception of Truth. By perception of Truth, we can attain freedom from ignorance.

The mind and wisdom are not capable of understanding subtle knowledge - Who are we? How the universe was created? Who created the universe? What is the purpose of life on earth? For answers to all such questions, Kriyayoga meditation is the simplest and fastest spiritual pathway which is also known as the Royal way to God (Truth).However, the outward rituals are not unnecessary. Outward rituals are the primary steps towards the practice of spirituality. After practising these initial primary steps, the practitioner slowly graduates to the higher level of learning.Many who are now practising the scientific technique today, first practised outward rituals. It is important to know that outward rituals cannot enable us to perceive the Omnipotent, Omniscient, Omnipresent, Blissful and Immortal nature of God.

Outward rituals are simply like education for children.

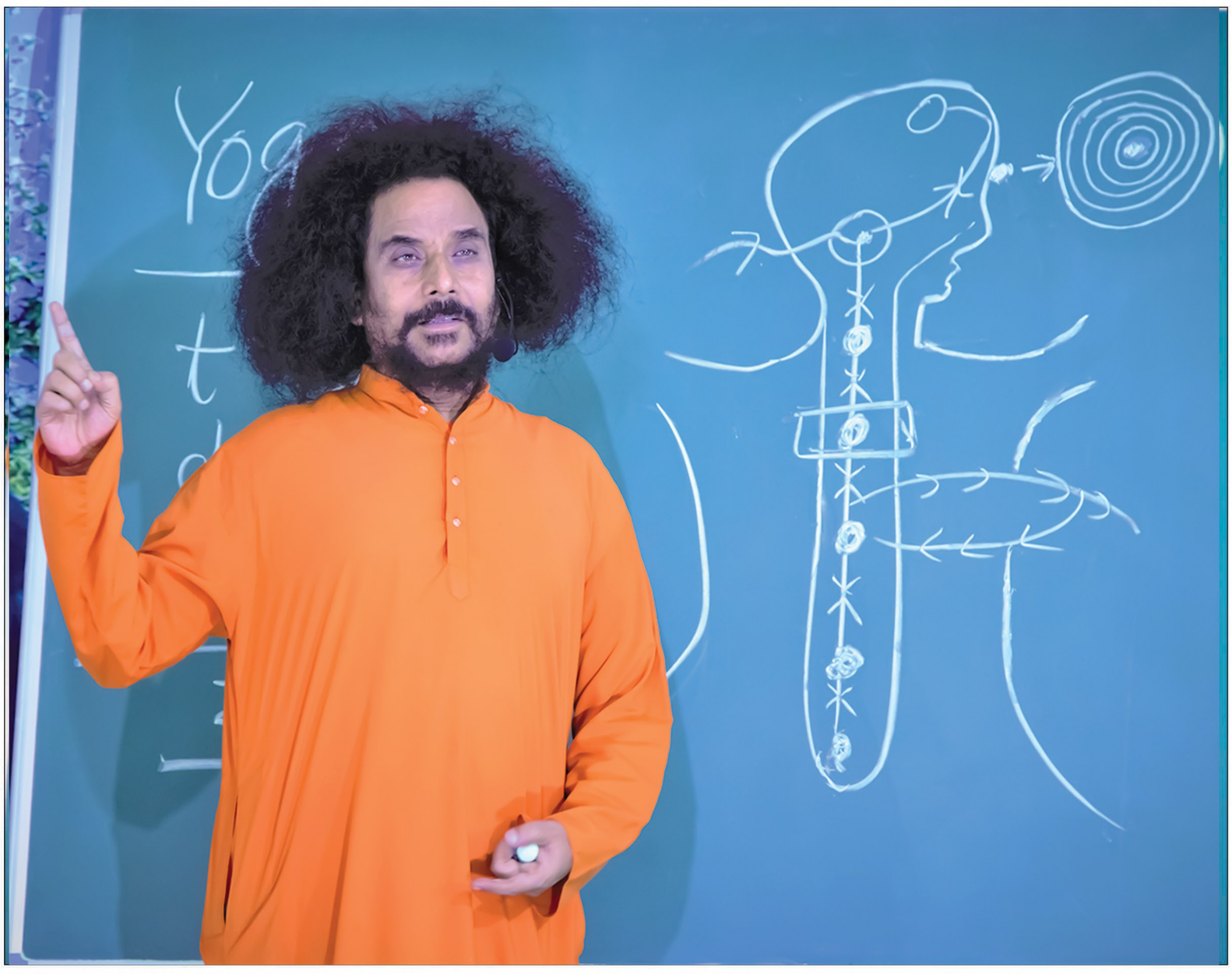

मेडुला के चैतन्य स्वरूप में एकाग्रता की प्रविधि को क्रियायोग ध्यान कहते हैं : स्वामी श्री योगी सत्यम

झूंसी, प्रयागराज । क्रियायोग के अभ्यास एवं क्रियायोग विज्ञान पर आधारित आहार-विहार के सम्यक पालन से साधक अंतःकरण में सत्य व अहिंसा की अनुभूति कर लेता है। ऐसी अवस्था में इस ज्ञान की अनुभूति हो जाती है कि हमारे और परमात्मा के बीच दूरी शून्य है । इसका वास्तविक अर्थ है कि परमात्मा स्वयं हमारे और संपूर्ण ब्रह्मांड के रूप में प्रकाशित हो रहे हैं। इससे स्वतः स्पष्ट है कि केवल परमात्मा का अस्तित्व है, एकमात्र परमात्मा ही दृश्य और अदृश्य सभी स्वरूपों में प्रकाशित हैं। इस सत्य की अनुभूति किताब पढ़ने या प्रवचन सुनने से संभव नहीं है। मानसिक चिंतन और बौद्धिक तर्क वितर्क से सत्य की अनुभूति संभव नहीं। सत्य की अनुभूति कर्मकांड के द्वारा संभव नहीं है, आदिशंकराचार्य ने अपने सुप्रसिद्ध सतश्लोकों में कहा है कि कर्मकांड से अज्ञान का विनाश संभव नहीं है, क्योंकि कर्मकांड और अज्ञान दोनों परस्पर विरोधी नहीं है। ज्ञान की प्राप्ति और आत्मसाक्षात्कार के लिए अनुभवजन्य ज्ञान की ही आवश्यकता है। केवल अनुभवजन्य ज्ञान के द्वारा ही अज्ञान से मुक्त हुआ जा सकता है, मन और बुद्धि के पास जीवन के सूक्ष्म रहस्यों का ज्ञान नहीं है। हम कौन हैं ? ब्रह्मांड कैसे प्रकट हुआ ? ब्रह्मांड का निर्माता कौन है? पृथ्वी पर आने का लक्ष्य क्या है? आदि प्रश्नों का सम्यक उत्तर प्राप्त करने के लिए क्रियायोग ध्यान सरलतम्, शीघ्रतम् और आध्यात्मिक मार्ग है जिसे राजयोग कहते हैं।

कर्मकांड अनावश्यक नहीं है, इसे इस तरह समझिये। कर्मकांड का अभ्यास अध्यात्म-विज्ञान की प्रारंभिक शिक्षा के रूप में है। सामान्यतः शिक्षा प्राप्त करने के क्रम में पहले नर्सरी व प्राइमरी की शिक्षा प्राप्त करते हैं फिर धीरे-धीरे शिक्षा के उच्च स्तर पर पहुंचते हैं। उसी प्रकार अधिकांश लोगों के द्वारा कर्मकांड के द्वारा आध्यात्मिक विज्ञान में प्रवेश करना है। यह जानना आवश्यक है कि कर्मकांड द्वारा परमात्मा के अनंत ज्ञानमय, शक्तिमय, परमानंदमय, स्वरूप की पूर्ण अनुभूति संभव ही नहीं है। कर्मकांड ठीक उसी प्रकार है, जैसे बच्चों की पढ़ाई।